रचनात्मक आकलन
चित्रकला – कक्षा–10

कला विषय मे विषयगत दक्षताओं के साथ आलेखन, मानव चित्रण, आलंकारिक एवं ज्यामितीय आलेखन, साधारण एवं कर्णवत् पैमाने जैसे रचनात्मक कौशल कक्षाओं के माध्यम से बहुआयामी कलात्मक क्षमता का विकास किया जाना है।

जैसे :–

(ii) अध्यापिका द्वारा श्यामपट पर बनाये या पुस्तक में बने आलेखनों को देखकर चित्रित करके अभ्यास करवाना तथा कल्पना द्वारा रंग भरवाना।

(iii) बच्चों को पाठ्यक्रम के अनुसार कभी–कभी उस स्थान पर ले जाकर प्राकृतिक दृश्य चित्रण करवाना।

(iv) साधारण एवं कर्णवत् पैमाने, ज्यामितीय आलेखन के साथ अन्य ज्यामितीय रचनाएं करवाना।

उपरोक्त दक्षताओं के आकलन के लिए

- बच्चों से उनकी कॉपी के पेज पर ही आलेखन स्मृति चित्रण आदि बनवा सकते हैं।
- छात्रों की टोली को किसी प्राकृतिक स्थान पर ले जाकर प्राकृतिक दृश्य चित्रण करवा सकते हैं।
- ज्यामितीय आलेखन के अन्तर्गत ज्यामितीय रंगोली बनवा सकते हैं।
- विद्यार्थियों के विषय चुनाव आलेखन/प्राविधिक के अनुसार बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर का अभ्यास करवाया जाय।

विद्यार्थियों की दक्षताओं के मापन के लिए रिकॉर्ड निम्नवत् करें–

तिथि –

विषय – आलेखन

क्र0सं0	नाम	पूर्णांक	प्राप्तांक	टिप्पणी
01	ABC	10	04	आलेखन में रंग नहीं भरा गया है।
02	XYZ	10	08	आलेखन लयात्मक एवं भारतीय पुष्प पर आधारित है लेकिन किसी पशु, पक्षी की आकृति नहीं बनाई गई है। रंग भरा गया है।
03	MNO	10	06	आलेखन आकर्षक है किन्तु एक ही रंग का प्रयोग किया गया है।
04	PQR	10	10	आलेखन लयात्मक एवं आकर्षक है। रंग योजना सही एवं सपाट है। यथास्थान पशु एवं पक्षी की आकृति संयोजित की गई है।

विद्यार्थियों के प्रोत्साहन एवं व्यक्तित्व विकास के लिए रचनात्मक आकलन के परिणामों का उपयोग निम्नप्रकार से किया जा सकता है–

(i) कक्षा में सर्वोत्तम चित्र को अन्य बच्चों के सम्मुख प्रदर्शित करके अन्य बच्चों को प्रेरित करना।

(ii) कमजोर छात्रों को नियमित अभ्यास के लिए प्रोत्साहित करना तथा गृहकार्य देना।

(iii) बच्चों से शिक्षक डायरी, रजिस्टर, अपनी कला की कॉपी पर कवर चढवा कर सजवाना।